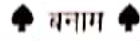


न्यायालय उपखण्ड अधिकारी केकडी जिला अजमेर

राजस्व वाद 238/2021(2021/460)

1. सुरजमल पुत्र ऊँकार जाति भी निवासी धोलाई(देवगांव) तहसील केकडी जिला अजमेर।

---प्रार्थी



1. राजस्थान सरकार जरिये तहसीलदार महोदय केकडी।

--- अप्रार्थीगण

राजस्व प्रार्थना अन्तर्गत धारा.128 राज. लैण्ड रेवेन्यु एक्ट

उपस्थित:-

प्रार्थी वकील :- श्री शिवप्रसाद पाराशर

पेराकार सरकार :- जरिये तहसीलदार केकडी

आदेश

दिनांक 14.5.2022

पत्रावली आज राष्ट्रीय लोक अदालत मे पेश हुई। प्रार्थी द्वारा प्रकरण संक्षेप में राजस्व प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 128 राज. लैण्ड रेवेन्यु एक्ट के तहत प्रस्तुत किया है। उक्त प्रार्थना पत्र में वर्णित आराजीयात वाके ग्राम धोलाई(देवगांव) तहसील केकडी जिला अजमेर में स्थित है। आराजी निम्नानुसार दर्ज रिकॉर्ड है:-

खाता संख्या (नया-पुराना)	खसरा नम्बर	रकबा (हे.)	किस्म
15-153	20	0.46	वारानी 3
	24	0.54	पेटा.ता
	520/747	0.38	बा.3
	कुल किता 3	रकबा 1.38हेक्टर	

उक्त में वर्णित आराजीयात प्रार्थी की कब्जे काश्त स्वामित्व अधिपत्य की आराजीयात है जिसमें प्रार्थी का कब्जा काश्त निरन्तर चला आ रहा है। प्रार्थना पत्र में वर्णित आराजीयात प्रार्थी के नाम बतोर खातेदार काश्तकार के राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज है। उक्त वर्णित आराजीयात प्रार्थी के जरिये बटवारा के प्राप्त हुई है बटवारे के समय उक्त आराजीयात का बटवारा कर राजस्व रिकार्ड में बटवारा प्रस्तात तैयार कर राजस्व रिकार्ड व नक्शे में उक्त वर्णित आराजीयात को बटवसारे के अनुसार तरमीम किया गया था। उक्त वर्णित आराजीयात की तरमीम से प्रार्थी सन्तुष्ट नहीं है अपनी आराजीयात का मोके पर नाप चोप करवाकर प्रार्थी अपनी हिस्से में आई हुई आराजीयात की स्थायी पत्थरगढी करवाना चाहता है। प्रार्थी की आराजी पूर्ण में सयुक्त खातेदारी की थी जिसका बटवारा हो चुका है। तथा राजस्व रिकार्ड में तरमीम भी कर दी गयी है। लेकिन बटवारे की तरमीम से प्रार्थी सन्तुष्ट नही होने के कारण अपने सहखातेदारो से आये दिन सीमाओ को लेकर विवाद होता है इसलिए प्रार्थी की उक्त वर्णित आराजीयात की स्थायी पत्थरगढी किया जाना न्यायोचित एवं आवश्यक है। प्रार्थी ने प्रार्थना पत्र में वर्णित आराजीयात की स्थायी पत्थरगढी करने हेतु दिनांक 5.4.2021 को प्रतिवादी के कार्यालय प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया लेकिन प्रतिवादी द्वारा ना तो वर्णित आराजीयात का सीमाज्ञान किया गया है और ना ही पत्थरगढी की गयी और प्रतिवादी द्वारा कहा गया की न्यायालय से आदेश होने पर ही हम पत्थरगढी करेगे इसलिए यह प्रार्थना पत्र वास्ते स्थायी पत्थरगढी किये जाने बाबत माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करना लाजमी आया है। प्रार्थना पत्र स्वीकार कर वर्णित आराजीयात की आराजीयात स्थायी पत्थरगढी किया जाना न्यायोचित हैं जिससे की सहखातेदारो व अन्य पडोसीयो से किसी प्रकार का मोके पर विवाद उत्पन्न नही हो। इसलिए आराजी की स्थायी पत्थरगढी किये जाने के आदेश प्रदान करवाया जाना न्यायोचित एवं आवश्यक है। प्रार्थी अपनी उपरोक्तानुसार आराजी पर पत्थर गढी कराने का निवेदन अपने प्रार्थना पत्र में किया।




उपखण्ड अधिकारी
लोक अदालत बेंच
(तानुका विधिक सेवा समिति)
केकडी (अजमेर)

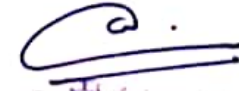


प्रकरण श्रवणाधिकार व क्षेत्राधिकार का होने से दर्ज रजिस्टर किया गया। अप्रार्थी जसिये पैरोकार सरकार को जरिये नोटिस तलब किया गया। पैरोकार सरकार द्वारा जवाब टिप्पणी जिरामे बनाया संलग्न जमाबंदी प्रतिलिपि अनुसार वाद वर्णित आराजी खातेदार भूमि है राजहित प्रभावित नहीं है प्रार्थी द्वारा पडोसी खातेदारन को पक्षकार नहीं बनाया गया।

हमने पत्रावली का अवलोकन किया। पक्षकारान की बहस पर मनन किया। प्रार्थी प्रार्थना पत्र में वर्णित आराजी का खातेदार काश्तकार है। खातेदार काश्तकार को स्वयं की खातेदारी की पत्थरगढी करवाने के हक अधिकार है। खातेदार काश्तकार को स्वयं की खातेदारी की पत्थरगढी करवाने के हक अधिकार है। अतः प्रार्थी का प्रार्थना पत्र बाबत पत्थरगढी अन्तर्गत धारा 128 भूरा.अधि. के तहत स्वीकार किया जाता है। तहसीलदार केकडी वाके ग्राम धोलाई(देवगांव) तहसील केकडी के खाता संख्या नया पुराना 15-153 के कुल रकवा 3 कुल रकवा 1.38, की पत्थरगढी प्रार्थी द्वारा नियमानुसार पत्थरगढी शुल्क जमा कराने पर कामिकों की टीम गठित करके की जायें। खर्चा फरिक्केन अपना अपना वहन करें।

आदेश राष्ट्रीय लोक अदालत मे सारे इजलास सुनाया गया।


न्यायिक अधिकारी
लोक अदालत बैंक
तालुका विधिक सेवा समिति
केकडी जिला-अजमेर


(विकास पंचोली)
उपखण्ड अधिकारी
लोक केकडी
(तालुका विधिक सेवा समिति)
केकडी (अजमेर)